# मिशन शिक्षण संवाद

# दिवस विशेष काव्य संग्रह

जुलाई
2022

## वन्दना यादव "ग़ज़ल" (स0अ0)

अभि0 प्रा0 वि0 चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू0 पी0

# डॉक्टर्स डे (1 जुलाई)

1

डाक्टर धरती पर ईश्वर का रूप,
जान बचाये चमत्कार स्वरूप।
हमारे दर्द, कष्ट को कम करते हैं
डॉक्टर होते हर मर्ज के अनुरूप।।

छोटी-बड़ी बीमारी हो या
आये कोई महामारी।
हर वक्त में सेवा देना,
डाक्टर की है जिम्मेदारी।।

जात-पात वह रंग न देखे,
सबको समान रुप सेवा देते।
कितनों को जीवन देकर,
रोते अधरों पर मुस्कान हैं देते।।

सुश्रुत, चरक आदर्श चिकित्सा के,
मान-सम्मान सदा करना डॉक्टर के।
1 जुलाई को चिकित्सा दिवस मनाते,
डॉ बिधान चंद्र राय की याद दिलाते।।

1 जुलाई 882 में पटना बिहार में जन्मे,
चिकित्सा क्षेत्र में अनेकों किया काम।
चिकित्सक ही असाध्य रोगों से बचाते,
इस दिन उनके काम को मिले पहचान।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व यू एफ ओ दिवस

2

अन्य ग्रहों पर भी जीव है रहते,
ऐसा हम सब है सोचा करते।
दिखते होंगे कितने अजीबो-गरीब
काल्पनिक नामों में एलियन है कहते।।

उड़न तश्तरी में सवार होकर आते,
शक्ति, चमत्कार हमें कई दिखाते।
भारत सहित दुनिया भर के कई शहरों में,
यू एफ ओ के दिखने के संकेत है हम पाते।।

सर्वप्रथम यू एफ ओ को देखने का दावा,
जर्मनी के नूरेमबर्ग ने 1561 में किया था।
विशालकाय ब्लड जैसी आकृति वाला,
कोई अद्भुत चीज इसे बताया गया था।।

दुनिया में विश्व यू एफ ओ दिवस,
2 जुलाई को मनाया जाता है।
रहस्यमयी घटनाओं को समझाने हेतु
वैज्ञानिक जागरूकता लाया जाता है।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

3

प्लास्टिक के बैग बोतल और,
अन्य सामान है बाजार में बिकते।
पर्यावरण के लिये घातक है यह,
प्रकृति के दम है इनसे घुटते।।

डिब्बाबंद खाना-पीना मिलता प्लास्टिक में,
अनेक बीमारियों की जड़ है प्लास्टिक में।
कई सौ साल में भी नहीं होते हैं यह नष्ट,
धीमा जहर फैलाये, जीवन में लाये कष्ट।।

प्रतिवर्ष 3 जुलाई को विश्व में,
प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाते हैं।
प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर खतरों से,
समाज में जन-जागरूकता लाते हैं।।

प्लास्टिक बैग पर लगे पूर्णतः प्रतिबन्ध,
अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर किया है प्रबन्ध।
पेपर बैग और कपड़े के बैग करें प्रयोग,
स्वच्छ वातावरण हेतु स्वयं करें उपयोग।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि

4

भारतीय संस्कृति व आध्यात्म का,
आप थे डंका बजाने वाले ।
मानव धर्म और सेवा से,
सामाजिक परिवर्तन लाने वाले।।

12 जनवरी 1863 कोलकाता में थे जन्मे,
पिता विश्वनाथ, माँ भुवनेश्वरी देवी के घर में।
बचपन में आपने, "नरेंद्र" नाम पाया था
श्री रामकृष्ण को अपना गुरु बनाया था ।।

भोग-विलास से दूर रहे आप,
सेवा व्रत था जिनका काम।
कुलीन वर्ग में जन्म लिया फिर भी,
हृदय में आया कभी नहीं अभिमान।।

देश-विदेश, स्वदेश में इन्होंने,
जन उत्थान को लक्ष्य बनाया।
भारत गौरव की व्याख्या करके,
शिकागो सम्मेलन में परचम लहराया।।

4 जुलाई सन् 1902 को आपका,
39 वर्ष की अल्पायु में मृत्यु हुआ।
पुण्यतिथि पर आज भारत को,
हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्तान पर गर्व हुआ।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# पी वी सिंधु का जन्मदिन

5

आप हैं एक विश्व वरीयता प्राप्त,
भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ।
ओलंपिक में पहली महिला एकल में,
रजत व कांस्य पदक जीतने वाली खिलाड़ी।।

नवम्बर 2016 में पीवी सिद्धू ने,
चीन ओपन का खिताब जीता ।
BWF वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में,
पहली बार फाइनल खिताब जीता।।

सिंधु जी का 5 जुलाई 1995 को जन्म हुआ,
पी वी रमण और माँ पी विजया के घर हुआ।
पुलेला गोपीचंद से प्रभावित होकर,
बैडमिंटन को कैरियर रूप में चुना।।

टोक्यो ओलंपिक सन 2020 में सिंधु ने,
चीन के हे बिंग न को हराकर कांस्य पदक जीता।
राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार एवं
पद्मश्री सम्मान भी उन्हें है मिला ।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व जुनोज दिवस

6

प्रतिवर्ष 6 जुलाई हम लोगों को,
जूनोटिक रोगों के जोखिम है बताता ।
जूनोज संक्रमण रोगों की रोकथाम हेतु,
विश्व जुलूस दिवस है मनाया जाता ।।

जूनोटिक है एक संक्रामक रोग,
जो जानवरों से मनुष्य में फैल सकता है
सीधे जानवरों से या खाद्य प्रदार्थो से,
मनुष्य में यह रोग फैल सकता है।।

फ्रांसीसी जीवविज्ञानी लुइ पाश्चर ने,
रेबीज वायरस के लिए टीका लगाया।
6 जुलाई 1885 को इन्होंने,
जूनोटिक बीमारी में सफलता पाया।।

हर साल इस दिन विशेष को,
जूनोटिक दिवस के रूप में मनाते हैं।
जूनोटिक रोगों की घातक खतरों से,
बचाव को जन-जागरूकता लाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व चॉकलेट दिवस

7

रुठे हुए को हो जब मनाना
बच्चों को हो जब फुसलाना।
खुशियाँ जब हो अपनो संग बांटनी,
चॉकलेट तब-तक घर में लाना ।।

बचपन की कोई नादानी हो,
जवानी की जवां फरमानी हो।
बिन दाँतों का बुढ़ापा लिये हुए,
चॉकलेट संग हर उम्र में रवानी हो।।

चॉकलेट के अस्तित्व का जश्न मनाने को,
7 जुलाई विश्व चॉकलेट दिवस मनाते हैं।
सगे-संबंधियों को चॉकलेट की मिठास देकर,
चॉकलेट का वार्षिक वार्षिक उत्सव मनाते हैं।।

पहली बार विश्व चॉकलेट दिवस,
सन् 2009 में मनाया गया।
इसी दिन पहली बार यूरोप में,
1550 में चॉकलेट पेश किया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# राष्ट्रीय कपास दिवस

8

विश्व में सबसे महत्वपूर्ण फाइबर फसल,
दुनिया में कपड़ों की कामना हुई सफल।
यह सामाजिक-राजनीतिक संस्कृति बनाता,
कपास का सदियों पुराना रहा है जमाना।।

कपास दिवस मनाने का के पीछे,
कोयंबटूर स्थित SKAAT समूह है खास।
जिसने फेंसी यार्न क्षेत्र में जगह बनाई,
ऊर्जा, चिकित्सा, खाद्य -पेय उद्योग में है विश्वास।।

कपास को 'सफेद सोना' है कहते,
8 जुलाई ही क्यों ? कई कहानी है सुनते।
1921 में सहयोग आंदोलन शुरू हुआ था
खादी के प्रयोग का आवाहन शुरू हुआ था।।

8 जुलाई को हम, कपास दिवस मनाते हैं,
खादी को अपनाने को जागरूकता लाते हैं।
कृषि पुनरुद्धार में, कपास हो सकता लाभकारी,
SKAAT समूह की बेहतरी हेतु होती जिम्मेदारी।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस

9

दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन,
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का हुआ गठन।
प्रतिवर्ष 9 जुलाई को भारत में,
विद्यार्थी राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में हुआ।।

ABVP एक भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन है,
उद्देश्य इसका छात्र और राष्ट्र का हित है ।
69 वर्षों से विद्यार्थी हित में कर रहा योगदान,
युवा पीढ़ी में स्व चेतना का करता आवाहन।।

1948 में ABVP की हुई स्थापना हुई,
9 जुलाई 1949 को औपचारिक पंजीकृत हुई।
1998 के बाद से सक्रियता इसकी बड़ी,
यशवंतराव केलकर ने प्रतिबद्धता करी।।

ABVP का अधिकारिक स्लोगन है
ज्ञान, शील, औ एकता ।
छात्र राजनीति की भूमिका से,
भविष्य में बनते वक्ता और राजनेता।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# सुनील गवास्कर जन्मदिन

10

10 जुलाई 1949 को जन्मे,
स्थान था मुंबई, महाराष्ट्र।
सुनील मनोहर गावस्कर नाम उनका,
'लिटिल मास्टर बुलाता सारा राष्ट्र।।

पिता मनोहर गावस्कर, माता का मीनल नाम।
परिणय सूत्र में बंधे, मार्शनील है वधू का नाम।।
क्रिकेट में दाएँ हाथ के, वो श्रेष्ठ बल्लेबाज।
साथ ही दाएँ हाथ के, मध्यम तेज गेंदबाज।।

टेस्ट क्रिकेट में 10 हजारी, बल्लेबाज रहे।
सौ टेस्ट मैच खेलने वाले, पहले क्रिकेटर बने।।
1974 से अंतरराष्ट्रीय मैचों, का शुरुआत किया।
पहले ही टेस्ट सीरीज में, 774 रन पार किया।।

बल्लेबाजी में राष्ट्र को, कई कीर्तिमान दिया।
"क्रिकेट के आभूषण" की, उपाधि ईनाम लिया।।
इन्हें एशिया कप, 'बेसन एंण्ड हेजेस' विश्वकप सम्मान मिला।
1980 में भारत सरकार ने, 'पद्म भूषण' सम्मान दिया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व जनसंख्या दिवस

11

चारों ओर है है बस भीड़ खड़ी
संसाधनों की जिस पर मार पड़ी।
पाना चाहे हर कोई सब सुविधायें,
जन-घनत्व की है ग्राफ बड़ी।।

कैसे पूरी हो सभी योजनाएं,
खाद्यान्न संकट भुखमरी बढ़ाये।
ऊर्जा संकट पर आयी लाचारी,
गरीबी की समस्या बढ़ती जाये।।

प्रतिदिन जनसंख्या वृद्धि बढ़ती जाये,
नित नये समस्याएँ पैदा करती जाये।
लाचार फिरते हैं अब युवा पीढ़ी
बेरोजगारों की कतार बढती जाये।।

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय अपनाओ,
देश को सब मिलकर खुशहाल बनाओ।
11 जुलाई जनसंख्या दिवस मनाये,
संकल्पित हो और समझदारी अपनाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# पेपर बैग डे

12

दुनिया भर में 12 जुलाई को,
पेपर बैग डे मनाया जाता है।
प्लास्टिक कचरे को कम करने हेतु,
पेपर बैग को अपनाया जाता है।।

पेपर बैग है पर्यावरण के अनुकूल,
आसानी से रिसाइकल हो सकता है।
पेपर बैग बायोग्रेडिबल होते हैं,
अधिक वजन भी संभाला जा सकता है ।।

1852 में फ्रांसिस वोले अमेरिकी ने,
दुनिया में पहला पेपर बैग मशीन बनाया।
फ्लैट बॉटम पेपर बैग कंपनी ने
1871 में मार्गरिड ई नाइट मशीन लाया।।

"किराने की थैलियों की माँ"
नाम से इसने लोकप्रियता पायी।
किराने की दुकानों में पेपर बैग,
बहुतायत से अपनाया गयी।।

आज विश्व पेपर बैग डे पर,
हम सब एक संकल्प उठाये।
प्लास्टिक मुक्त हो वातावरण,
पेपर बैग रोजमर्रा में अपनाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# राष्ट्रीय फ्रेंच फ्राई दिवस

13

फ्रेंच फ्राई विभिन्न कटा और,
आकार, स्टाइल में आते हैं ।
यह चिप्स, प्राइज, फिंगर चिप्स या,
फ्रेंच फ्राइज, आलू से जाने जाते हैं।।

बच्चे, बूढ़े और जवान इसे पसंद करते हैं,
मूल रूप से यह गहरे तले आलू होते हैं।
दोस्तों और परिवारों संग खाने का ले आनन्द,
विभिन्न प्रकार के फ्राई को चुन सकते हैं।।

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान,
'फ्रांसीसी' शब्द, आलू को दिया गया।
जब अमेरिकी सैनिक बेल्जियम पहुँचे तो,
तले आलू को, 'फ्रेंच फ्राइज' नाम दिया गया।।

राष्ट्रीय फ्रेंच फ्राई दिवस,
13 जुलाई को हम मनाते हैं।
वसा रहित फ्रेंच फ्राइज खाकर,
अपने के संग खुशियाँ मनाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# फ्रांसीसी बास्तील दिवस

14

14 जुलाई, सन् 1789 को,
फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान।
बास्तीन में धावा बोलने की,
वर्षगांठ ग्रुप में से मनाया जाता है ।।

फ्रांसीसी क्रान्ति का शुरुआत हुआ,
रिपब्लिकन आन्दोलन का प्रतीक बना।
औपचारिक रूप से फ्रांस में,
'ला फेट नेशनेल' इसे कहा गया।।

बास्तील पेरिस में एक मध्ययुगीन,
शस्त्रागार, किला और जेल था।
यह अनुचित राजशाही का,
प्रतिनिधित्व किया करता था।।

14 जुलाई 1789 को सैनिकों ने,
बास्तील पर धावा बोला था।
बास्तील पर अधिकार पाकर,
अमन, शान्ति का रास्ता खोला था।।

फ्रेंच भाषी लोगों द्वारा जश्न रूप में,
प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया गया ।
कई सार्वजनिक कार्यक्रम होते हैं,
1880 में पहला परेड किया गया ।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व युवा कौशल दिवस

15

हर देश का भविष्य है युवा,
हौसला होता है इनका जुदा।
सपनों को सच करना जाने,
कैरियर के लिए लड़ना जाने।।

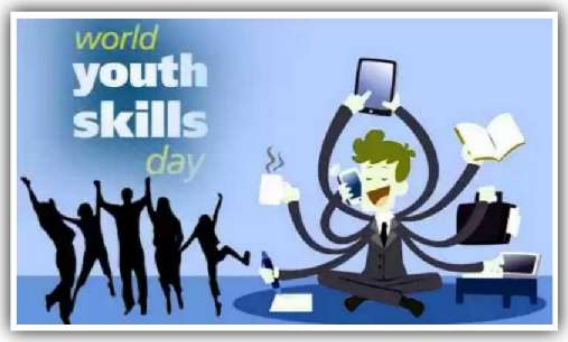


इस आपाधापी के दुनिया में,
मनचाहा रोजगार न पा रहा युवा।
शिक्षित है, बुनियादी चीजें हैं फिर भी,
कार्य क्षेत्र मे क्यों चूक जाता है युवा ।।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में,
15 जुलाई, विश्व युवा कौशल दिवस मनाया।
युवा वर्ग में विशेष कौशल विकसित कर,
रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया।।

समाज के साथ देश का हो विकास,
कौशल विकसित कर तुम बनो खास।
कौशल विकास से बढे रोजगार के साधन,
जागरूकता बढ़ा कर, संचित करो तुम धन।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# धनराज पिल्लै जन्मदिन

16

महाराष्ट्र के खड़की में जन्में,
तमिल माता-पिता के थे पुत्र।
चौथे पुत्र को धनराज नाम मिला,
नागालिंगम और अन्दालम्मा के सुपुत्र।।

तमिल, हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी के जानकार,
80 दशक के हाकी खिलाड़ी हैं वे दमदार ।
आडर्नस फैक्टरी कालोनी में युवा जीवन बिताया,
हाकी के प्रति जुनून, ओएफके मैदान में बनाया।।

1989 में अन्तरराष्ट्रीय हॉकी खेलों का,
आपने कैरियर शुरूआत किया था।
'एल्विन एशिया कप' नई दिल्ली में,
पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था।।

धनराज एक मात्र ऐसे खिलाड़ी जिसने,
चार ओलंपिक, चार बार विश्व कप खेला।
चार चैंपियंस कप और
चार बार एशियाई खेल में खेला।। ए

1999-2000 में आपने खेल पुरस्कार,
'राजीव गांधी खेल रत्न' सम्मान पाये।
2000 में भारतीय नागरिक सम्मान,
'पद्मश्री पुरस्कार' से सम्मानित हुये ।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व इमोजी दिवस

17

आज के आधुनिक युग में,
बातचीत का माध्यम बना इमोजी।
बिना कुछ लिखे सब कुछ कह जाये,
तरह-तरह के रूप दिखाइए इमोजी।।

हँसी खुशी या दुःखी की हो बात,
इमोजी भेज कर करे शुरुआत।
बिन बोले, ज्यादा समझाना,
यही है इमोजी की खास बात।।

'जेरेमी बर्ज' के दिमाग की है ऊपज,
इमोजी से परखें, व्यक्तित्व करें जज।
आपसी संवाद को आयाम नया अपनाते हैं,
17 जुलाई को 'विश्व इमोजी दिवस' मनाते हैं ।।

वाशिंगटन पोस्ट ने 2018 में,
अपना अनमोल सुझाव दिया।
केवल इमोजी में पाठक संवाद करें।
1 जुलाई 2015 में ट्वीटर ट्रेडिंग के बाद दिया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# नेल्सन मंडेला दिवस

18

अश्वेत प्रथा को नष्ट करने का,
किया था बड़ा आपने काम ।
दक्षिण अफ्रीका के गांधी कहलाये,
नेल्सन मंडेला है जिसका नाम।।

27 साल अश्वेतों की हक के लिए लड़े,
अदम्य साहस का अनेक होता गुणगान।
श्वेतों द्वारा होता जुल्म और अत्याचार,
असहनीय दुःख सहने को थे अश्वेत लाचार।।

रक्तहीन क्रांति से न्याय की हुई जीत,
बातचीत से हल करते समस्या हर प्रकार।
माता-पिता ने नाम. 'रोहिल्हाला' रखा
विद्यालय के अध्यापक से 'नेल्सन' पाया।।

दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत है,
जिसने राष्ट्रपति का पद था पाया।
18 जुलाई, मंडेला के जन्मदिवस को,
अन्तर्राष्ट्रीय मंडेला दिवस मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1993 में,
शान्ति का 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया।
मानवाधिकार की रक्षा हेतु नागरिक सम्मान,
'भारत रत्न' पुरस्कार आपको दिया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# मंगल पाण्डे जन्मदिन

19

भारतीय स्वतन्त्रता के प्रथम सेनानी,
1857 के इतिहास में अमर है कहानी।
ईस्ट इंडिया कंपनी में थे आप सिपाही,
बैरकपुर छावनी, मंगल नाम दुनिया जानी ।।

19जुलाई नगवा, बलिया, उत्तर प्रदेश में,
ब्राह्मण परिवार में आपका जन्म हुआ।
पिता दिनकर पाण्डे, माता जानकी देवी,
बलिदान पर आपके जिनके गर्व हुआ।।

गीता, गाय, गंगा की पवित्रता,
आपके तन-मन में थी बसी।
चर्बी युक्त कारतूस ना चलाये,
विद्रोह बिगुल फिर खूब बजी।।

बागी बलिया का, वह शेर दहाड़ा,
अंग्रेजों का कानून तोड़, पुकारा।
भारत माता की जय घोष किये,
फाँसी चढ़ा, हँस कर मंगल प्यारा।।

अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाये,
हिन्द की मिट्टी माथे तिलक लगाये।
जन्म दिवस पर, नमन है आपको,
ऐसे वीर सपूत को हम शीश नव्य।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# अन्तर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस

20

राजा-रजवाड़ों का खेल है शतरंज
दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाता है।
एक छोटी सी गलती हार दिलाये,
थोड़ी चलाकी, सरताज बना जाता है।।

64 खाने का खेल है शतरंज,
1राजा,1वजीर के संग है शतरंज।
2 ऊँट, 2 घोड़ा, 2 हाथी इसमें होते,
8 सैनिकों का दल होता है शतरंज ।।

सफेद-काले रंग के मोहरे होते हैं
दो खिलाड़ी अपने चाले चलते हैं।
20 जुलाई 1966 से प्रतिवर्ष यह,
विश्व शतरंज दिवस मनाये जाते हैं ।।

20 जुलाई सन् 1924 के दिन,
इंटरनेशनल चेस फैडरेशन की स्थापना हुई।
2019 में आधिकारिक तौर पर इसका,
दिवस विशेष प्रस्ताव हस्ताक्षरित हुई।।

5वीं सदी भारत में शतरंज का आविष्कार हुआ,
इस बोर्ड गेम को, "चतुरंग" नाम दिया गया था ।
पहला आधुनिक शतरंज टूर्नामेंट 1851 में,
लंदन में आयोजित किया गया था।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# गंगूबाई हंगल पुण्यतिथि

21

आप हैं ख़याल गायकी की पहचान,
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की जान।
किराना घराने की विरासत बरकरार रखीं,
अद्भुत आवाज वाली गंगूबाई था नाम।।

कर्नाटक के धारवाड़ जिले के,
शुक्रवारादापेते में वह जन्मीं थी।
जीवन उनका संघर्षों की है कहानी,
संगीत शिखर तक जाने को ठानी थी।।

बेटी में छिपी प्रतिभा को,
संगीतज्ञ माँ ने संवारा था।
बचपन में जातीय टिप्पणियाँ सुनना पड़ा,
लोगों ने 'गानेवाली' कह कर पुकारा था।।

संगीत शिक्षा लेने के लिए गंगूबाई,
30 किमी की यात्रा ट्रेन से करती थी।
गंगूबाई कृष्णाचार्य, दत्तोपंत और,
पंडित भीमसेन जोशी से संगीत शिक्षा ली।।

भैरव, असावरी, तोड़ी, भीमपलासी और पुरिया,
मारवा, केदार और चंद्रकौंस राग वह गाती थी।
पद्म भूषण, पद्म विभूषण, तानसेन पुरस्कार मिला,
कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी पुरस्कार पायी थी।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# राष्ट्रीय आम दिवस

22

सभी फलों का राजा आम,
खट्टा-मीठा हो ताजा आम।
पीला-पीला देख मन ललचाये,
रस-रसीला मीठा पीला आम।।

लंगड़ा, चौसा, मुंबईयां आम
सिंदुरिया, मद्रासी बनारसी आम।
स्वाद इनके मन को तृप्त करें,
रस से भरे दशहरी आम।।

खाओ आम छोड़ सब काम,
काशी लंगड़ा बनारसी आम।
सेहत से भरपूर है गुणकारी,
खाकर तृप्ति मिलें तमाम।।

कच्चे आम से अचार-मुरब्बा बनाओ,
आम का पन्ना, अमावट भी खाओ।
भारत का राष्ट्रीय फल है आम,
22 जुलाई को, 'राष्ट्रीय आम दिवस' बनाओ।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# चंद्रशेखर आजाद जयंती

23

मौत से आँख मिलाकर आपने,
किया प्रखर संवाद था।
व्यक्तिव जिसका फौलादी,
भारतीयों को जिस पर नाज था।

निर्भीक, निडर आप अभिमानी थे,
'जय भारती' उद्घोष के दिवाने थे।
जुल्म-अत्याचार को सिरे से नकारा वाले,
वीर सपूत वह, भारत का राजदुलारा थे।।

23 जुलाई सन् 1906 जन्में,
पंडित सीताराम तिवारी जी के घर में।
माँ जगरानी देवी के, थे पुत्र चंद्रशेखर,
निशानेबाजी में वह, कुशल निपुण थे।।

जब वह मंन्मथनाथ गुप्त और,
प्रणवेश जी के संपर्क में आये।
क्रांतिकारी दल के नेता बनाये गये,
स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी कहलाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# राष्ट्रीय आयकर दिवस

24

भारत में आयकर दिवस प्रतिवर्ष,
24 जुलाई को मनाया जाता है।
आयकर वह कर है जो सरकार द्वारा,
जनता की आय पर लगाया जाता है।।

कानून अनुसार व्यवसाय और व्यक्तियों के लिये,
प्रतिवर्ष आयकर रिटर्न फाइल करना होता है ।
आयकर सरकारी आय का महत्वपूर्ण है स्रोत,
जो जनता की हित सेवा हेतु उपयोग होता है।।

24 जुलाई 1980, जेम्स विल्सन ने पहली बार,
भारत में आयकर पत्र पेश किया था।
1857 ब्रिटिश शासन के खिलाफ युद्ध में,
नुकसान की भरपाई करने का उद्देश्य था।।

वर्ष 2010 पहली बार आधिकारिक तौर पर,
भारत में आयकर दिवस मनाया गया।
भारतीय आयकर विभाग द्वारा,
डाक टिकट और सिक्के जारी किया गया ।।

1924 में CBDT बोर्ड की स्थापना हुई,
नई दिल्ली में, इसका मुख्यालय है।
162वाँ दिवस है, 24 जुलाई 2022 को,
जो आयकर अधिनियम 1961के अधीन है

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी जन्म

25

दुनिया के इतिहास में विज्ञान ने,
25 जुलाई बड़ी उपलब्धि दर्ज करायी थी।
विश्व में प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी ने,
इस धरती पर जन्म पायी थी।।

1978 इंग्लैंड के ओल्डहैम शहर में,
आईवीएफ शिशु लुई ब्राउन का जन्म हुआ।
करीब ढाई किलोग्राम वजन के शिशु का,
आधी रात को अस्पताल में जन्म हुआ।।

दुनिया भर के निःसंतान दंपतियों के लिये,
यह प्रणाली वरदान साबित हुआ
यह निषेचन की एक कृतिम प्रक्रिया है,
इसे इन विंडो फर्टिलाइजेशन कहा गया।।

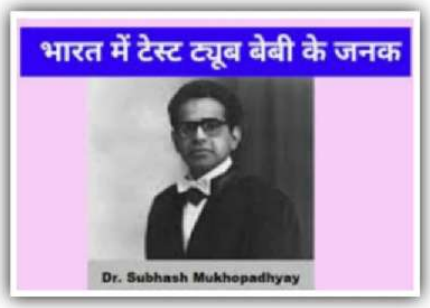


आईवीएफ तकनीक का प्रयोग करने वाले,
रॉबर्ट एडवर्ड और पैट्रिक स्टेपेटो वैज्ञानिक थे।
रॉबर्ट एडवर्ड को मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला,
2010 में एकमात्र वह, जीवित वैज्ञानिक थे।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# कारगिल विजय दिवस

26

शान तिरंगे की रखने को, वीरों ने तब ठानी थी,
कारगिल विजय पाने को, शहीदों ने कुर्बानी दी।

किया बलिदान देश पर, कितनों ने अपना बांकापन,
शौर्यवीर, युद्धवीरों को, आजादी बिगुल बजानी थी।

60 दिन चले युद्ध में, 26 जुलाई 1999 को इतिहास रचा,
सशस्त्र संघर्ष में वीरों को, हर हाल में विजयश्री पानी थी।

क्रूड दुश्मन आघात किया, वीरों को ललकार दिया,
सौ पर एक भारी शेरो ने, छाती चढ़कर धूल चटा दिया।

अलग-अलग है भाषा-भाषी, वीर शहीद कहलाये वो,
भारत माँ का चोला पहन, हिमालय पर झंडा लहराए वो।

धरती से अम्बर तक होती, भारत की जय जयकार है,
कारगिल विजय दिवस पर, शहीदों को नमन बारम्बार है।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# कलाम स्मृति दिवस

27

एक वट वृक्ष गिरा धड़ाम,
एक युग पर लगा विराम।
भारत पुत्र हुआ अब शान्त,
चीरनिद्रा में करने को आराम।।

हर चेहरा आज उदास था,
देश-विदेश मचा हाहाकार।
मानवता का दर्शन देने वाले,
शक्तिध्वज पर दिया विचार ।।

भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति,
वैज्ञानिक और अभियन्ता थे।
हर भारतीय के आदर्श आप,
अन्तिम सांस शिलांग में लिये थे।

सियासत से दूर रहते थे कलाम,
राष्ट्र करता नम आँखों से सलाम।
मिसाइल मैन जीवित है विज्ञान में,
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं सम्मान में।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

28

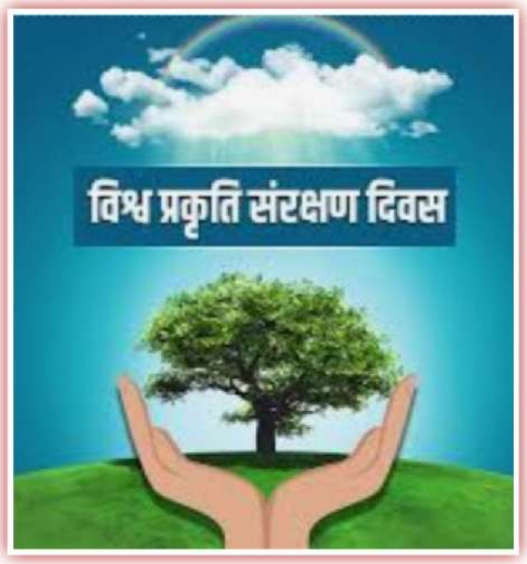


जल, जंगल, जमीन है,
सब प्रकृति में समाहित ।
जीव, जंतु, वनस्पति रक्षा में,
मानव जाति का छुपा है हित।।

फल, फूल, मीठे फल देते हैं पेड़,
नदी, झरना, सागर देते हमे जल।
बाग बगीचा उपवन सब महके,
कलरव करते संग में खग दल ।।

बादल, वर्षा, ठंडक हैं प्रकृति के अनेक रूप,
कोयला, डीजल, खनिज देती यह हमें अनूप।
बढ़ता प्रदूषण और होता अंधाधुंध शोषण,
प्रकृति की क्षमता को, कर रहा प्रतिदिन दूर।

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को हम सब,
प्रकृति संरक्षण दिवस मनाते हैं।
विलुप्त होती प्रजातियों, वनस्पतीयों हेतु
संवर्धन-संरक्षण को जागरूकता लाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

29

बाघ जंगल में राजा सा घूमें,
आये नहीं ये किसी के हाथ।
यह तेज धावक कहलाये हैं,
जंगल में होता इनका साथ।।

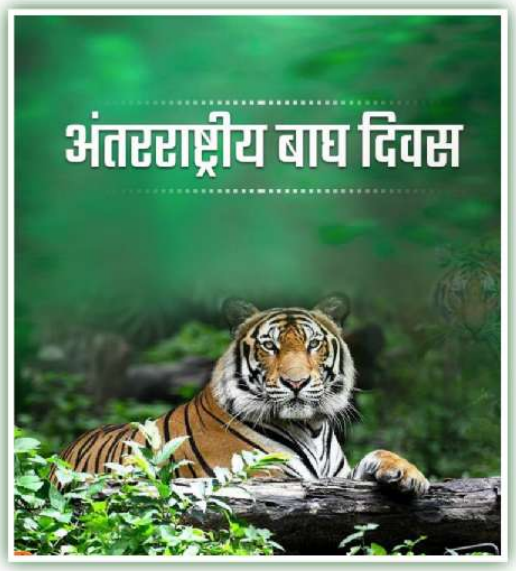


बलशाली पशु होता है बाघ,
भारत का राष्ट्रीय पशु है बाघ।
काले, भूरे रंगों वाला यह होता,
गजब शिकारी कहलाता है बाघ।।

बाघों की प्राकृतिक सुरक्षा हेतु,
संरक्षण मुद्दों पर सम्मेलन किया गया।
इनके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये,
अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया।।

वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में,
29 जुलाई को, यह निर्णय लिया गया।
23 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया,
बाघों की संख्या दूनी का लक्ष्य रखा गया।।

वर्ल्ड वाइड फंड के अनुसार,
पूरे विश्व में 3890 बचे हुए हैं।
ढाई सौ अकेले भारत में रहते,
अस्तित्व को खतरा मंडरा रहे हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# पेपर बैक बुक डे

30

यह एक प्रकार के पुस्तक होते है,
जिसमें मोटे पर पर कवर लगते हैं।
यह किताब कार्ड बोर्ड से बनी होती,
सस्ते और कम दामों में ये आते हैं।।

वर्तमान में उपलब्ध पेपर बैक,
आकार के आधार पर भिन्न-भिन्न हैं।
इनसे हल्की किताबें विकसित हुई,
लम्बी दूरी यात्रा हेतु, सुलभ अधीन है।।

कम कीमत और पोटेबिलिटी के वजह से,
बाजार में तेजी से यह लोकप्रिय हुआ।
उस तारीख के वर्षगांठ रूप में मनाया गया,
जब 1935 में पहली पेगुइंग पेपर बैक प्रकाशित हुआ।।

एक पेपर बैग के अंदर के,
पृष्ठ कागज के बने होते हैं।
सस्ता और टिकाऊ बुक हम खरीदते
30 जुलाई, पेपरबैक बुक दिवस मनाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# सफाई कर्मचारी दिवस

31

देश, गाँव की सड़कें साफ सुथरी हो,
गन्दगी कहीं पर भी, ना बिखरी हो।
साफ-सुन्दर हो भारत, यह संकल्प लिया,
सफाई कर्मचारियों ने, इसका शुरूआत किया।।

सफाई कर्मचारियों की स्थिति है दयनीय,
बिना सुविधाओं के, होती हैं मौतें कई ।
बिना सुरक्षा शिविर में उतरना पड़ता है,
जहरीली गैसों का सामना करना पड़ता है।।

असुविधाओं और मुश्किलों को दूर करने हेतु,
1964 में सफाई कर्मचारी दिवस शुरुआत हुआ।
1957 में घटी, एक अप्रिय घटना,
जिसकी याद में दिवस का शुरुआत हुआ।।

29 जुलाई सन् 1957 दिल्ली में,
म्यूनिसिपल कमेटी ने हड़ताल किया।
हड़ताल दबाने की कोशिश में पुलिस ने,
31 जुलाई, बस्ती पर फायरिंग किया।।

बस्ती के मेहमान युवक भूप सिंह की,
गोली लगने से युवक की मृत्यु हो गई ।
भूप सिंह की शहादत की याद में लोगों ने,
सफाई कर्मचारी दिवस' की शुरुआत की।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

# धन्यवाद आपका